मोहयाल मित्र

मेरी मथुरा–वृंदावन धाम की यात्रा

सैर कर दुनिया की गाफिल,
जिंदगानी फिर कहाँ?

भ्रमण में तो आनंद मिलता ही है, साथ में भारतीय संस्कृति के दर्शन, तीर्थ यात्रा का लाभ, अपने मोहयाल भाई–बहनों का साथ पुण्य लाभ और मनोरंजन सोने में सुगंध जैसा है। इसी भावना को लेकर हमारी प्रेमनगर, देहरादून मोहयाल सभा के सदस्यों ने मथुरा–वृंदावन की यात्रा का प्रोग्राम बनाया। लगभग पच्चीस भाई–बहिनों और बच्चों का समुदाय एकत्रित हुआ और हम चलने के लिए तैयार हो गए यात्रा के लिए।

मन में विचार तरंगें उठने लगीं। वृंदावन की कुंजें, कालिंदी का तट, नंदगांव की ग्वाल–ग्वालिनें, माँ यशोदा का वात्सल्य, देवकी–वसुदेव की ममता, तड़प और बेड़ियाँ, राधा का प्रेम, गोवर्धन के पाहन, कंस की क्रूरता, कण–कण में बसी कृष्ण–कन्हैया की माधुरी जिसके लिए कवि 'रसखान' ने सत्य ही लिखा था–

मानुष हैं तो वही रसखानि,
बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वालन।
जो पशु हौं तो कहा बसु मोरो,
चरौं नित नंद की धेनु मंझारन।

25 सितंबर 2015 को प्रातः इंदौर एक्सप्रेस से जाने के लिए प्रेमनगर से बस द्वारा हम स्टेशन पहुँचे। स्थान ग्रहण करने के कुछ ही देर बाद रेलगाड़ी चल पड़ी। इधर मधुर भक्ति संगीत के स्वर गूँजने लगे। तालियां बज रही थी। भजन गाए जा रहे थे। सारा वातावरण राधा कृष्णमय हो गया था। बीच–बीच में पानी, जूस, नमकीन आदि से पेट पूजा भी हो रही थी। पता भी नहीं चला कब दिल्ली स्टेशन आ गया, जहाँ अपने प्रियजन मिलने के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे। उनसे मिलकर खुशी दुगुनी हो गई। यहीं स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया गया।

अब भक्ति संगीत का स्थान मनोरंजन ने ले लिया और शुरू हो गए फिल्मी गाने, संस्मरण और अन्त्याक्षरी। हास–परिहास का वातावरण जिसमें अपनी ही जन्मदात्री माँ तथा मातृतुल्य सास तथा परिवार जनों की बातों पर हँसते हुए मन में प्रश्न उठा कि जाने–अनजाने आज की युवा पीढ़ी अपने बच्चों को क्या संस्कार दे रही है?

मथुरा स्टेशन पहुँच कर अपने ठहरने के स्थान मोहयाल आश्रम "आश्रम विहार" वृंदावन में पहुँचे। कुछ देर विश्राम करके फिर संध्या समय सभी लोग मंदिरों के दर्शन के लिए निकल पड़े। बांके विहारी मंदिर, प्रेमधाम, इस्कान मंदिर में सुविधानुसार अपने अपने समूह में पहुँचे। संकरी गलियाँ, बीच बाजार में बांके बिहारी मंदिर के दर्शन कर अपनी प्राचीन संस्कृति का अवलोकन किया। नए बने हुए मंदिर इस्कॉन, प्रेमधाम में सौंदर्य का अद्भुत नजारा था। मन तृप्त हो गया। वापिस लौटकर अपने साथियों से विचार किया कि यहाँ आकर हमारी एकता अनेकता में बदली हुई छिन्न–भिन्न बिखरती–सी दिखाई दी। परन्तु दूसरे ही दिन अचानक बस की व्यवस्था हो गई और हम सब मिलकर दिन भर नंद गांव, गोकुल, वृंदावन, बरसाना और गोवर्धन आदि के दर्शन कर प्रफुल्लित हो उठे। हमारे साथ सरदार जे.एस दत्ता (75 वर्षीय सेवानिवृत्त वैज्ञानिक) को जब सीढ़ियों से चढ़ते, उतरते मंदिरों के दर्शन करते, राष्ट्रीय एकता की मिसाल जो प्रस्तुत कर रहे थे जहाँ जाति, धर्म, उम्र सब कृष्णमय दिखाई दे रहे थे। सलाम इस भावना को।

अगले दिन वापिस देहरादून आना था, अतः प्रातः काल ही सभी तैयार हो गए। यहाँ मोहयाल आश्रम वृंदावन, आश्रम विहार की सुंदरता, व्यवस्था, स्वच्छता, व्यवहार और स्वादिष्ट भोजन की प्रशंसा किए बिना नहीं रहा जा सकता। यहाँ मेरा व्यक्तिगत सुझाव दानी मोहयाल भाई–बहिनों से है कि यहीं आश्रम में मिनीबस अथवा थ्रीव्हीलर आदि की व्यवस्था हो जाए, तब व्यवस्था और अधिक उत्तम हो सकती है।

मथुरा से नई दिल्ली स्टेशन पर पहुँचकर जन शताब्दी रेलगाड़ी की प्रतीक्षा करने लगे। दर्शन हो चुके थे अब जिज्ञासा, उत्साह और उमंग का स्थान शांति, विश्रांति और

विचार मग्नता ने ले लिए। बीच–बीच में चुटकुलों ने माहौल को आनंदमय बनाया। आखिर अंतिम पड़ाव देहरादून आ गया। स्टेशन पर फोटोग्राफ इत्यादि करके अपने–अपने गंतव्य की ओर बढ़ने लगे।

यात्रा में सहायक सभी सहयोगियों का धन्यवाद, आभार। अंत में सर्वाधिक धन्यवाद हर्षवीर मेहता का जिन्होंने यात्रा के अंतिम पड़ाव तक कर्त्तव्य धर्म को निभाया। धन्यवाद! हर्ष! तुम जिओ हजारों साल।

यात्रा पूर्ण हुई। आँखों में घूम रहे हैं कुंज, निकुज, माधुर्य, प्रेम, वात्सल्य, ममता, यमुनातट, बांसुरी की मधुर ध्वनि, मथुरा के पेड़े, गायों का रंभाना, घंटा ध्वनि–

ऊधौ मोहि ब्रज बिसरत नाँही।
हंस सुता की वह सुंदर कगरी अरु वृंक्षन की छाँहीं।

***नूतन वशिष्ठ "लौ"**–एफ–103, पैसेफिक इस्टेट, अनुराग चौक, वसंत विहार, देहरादून, फोनः 0135–2769702*

86वें जन्म-दिन पर बधाई

ऊपर जिस का अन्त नहीं, उसे आसमान कहते हैं।
बेपनाह प्यार व चाहत है जहाँ में, जिस की उसे माँ कहते हैं।

इन्हीं शब्दों के साथ में श्रीमती स्वर्ण बाली पत्नी श्री नरेन्द्र बाली निवासी जयपुर राजस्थान अपनी माता श्री, श्रीमती राजरानी मोहन पत्नी स्व. श्री गोविन्द राम जी मोहन निवासी प्लाट नं. सी–53, रामदत्त एन्क्लेव, उत्तम नगर, नई दिल्ली, को उनके 86वें जन्म–दिन पर अपने पूरे परिवार की ओर से हार्दिक बधाई देती हूँ।

महिमा माँ की,

माँ बाप की आँखों में दो बार आँसू आते हैं,
लड़की घर छोड़े तब, लड़का मुँह मोड़े तब।

माँ तेरी तमन्ना है न, कि एक बार मैं ठीक हो जाऊँ, फिर अपने हाथों से अपने परिवार को अपने बच्चों को स्वादिष्ट भोजन बनाकर खिला सकूँ।

हाँ माँ सच में मेरी भी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि एक बार बस एक बार मेरी प्यारी माँ को ठीक कर दे ताकि मेरी माँ की चाहत पूरी हो सके। इस माँ के अरमान पूरे हो सकें। बस इसी सोच के साथ शायद ईश्वर कोई करिश्मा कर दें, और मेरी माँ की मुराद पूरी हो जाए।

मैं श्रीमती स्वर्ण बाली (भोली) अपनी माता श्रीमती राजरानी मोहन के 86वें जन्म–दिन पर मोहयाल सभा विधवा फंड के लिए मात्र ग्यारह हजार रुपए भेज रही हूँ। जन्म–तिथि 01.11.1930 आपने पढ़ा एक बेटी की सोच, उसकी चाहत उसका प्यार उसका लगाव अपनी माँ की प्रति, क्यों न हो वोह भी एक औरत होने के साथ–साथ खुद भी एक माँ हैं।

***श्रीमती स्वर्ण बाली (भोली),** 78 कृष्णा नगर, ऑफिसर्स एन्क्लेव, कालवाड रोड, झोटवाड़ा, जयपुर, मो. 9166422820*

37वें वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई

श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्रपाल बाली सुपुत्र श्रीमती शकुन्तला बाली व स्वर्गीय रायज़ादा अनन्तराम बाली निवासी 43–प्रेमनगर, अंबाला शहर की 37वीं वैवाहिक वर्षगांठ दिनांक 14.10.2015 के उपलक्ष में बाली परिवार ने 251 रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व 251 रुपए जीएमएस ट्रस्ट रायज़ादा अनन्तराम बाली मैमोरियल विधवा फंड में भेंट किए। पूरे बाली परिवार की तरफ से श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्रपाल बाली जी को बधाई। यशिका बाली, ध्रुवी बाली, केशवी बाली।

***पंकज बाली,** महासचिव, मोहयाल यूथ विंग अंबाला*

वाह रे भगत सिंह वाह!

तमन्नाओं के गुलशन में तू ऐसा फूल आया था।
तेरी खुशबू की मस्ती में वतन सारा महकाया था।।

नां घबराया नां कुमलाया, गले फन्दा लगाकर भी।
ये नारा इंकलाबी, नौजवानों को तूने सिखलाया था।

ओ भगतसिंह तू दुनियांभर के शहीदों का शहिदेआजम हैं।
जब चढ़ा फाँसी के फन्दे में तूने इक गीत गाया था।

सरफरोशाने वतन यूँ अपना सर कटवातें हैं–
लगाकर नारा इन्क्लाब, शहादत को बुलाया था।।

ओ भगतसिंह जब भी तेरा नाम जुंबा पै आता हैं
दिलों में वले–वले जागें।
तुम्हारी नौजवानों की कुर्बानियाँ देख, फिरंगी डगमगाया था।।

तेरी तहरीर, तेरी तकरीर, तेरी तदवीर, तेरी तस्वीर–
चारों ने मिलकर, भारतवर्ष का इक नक्शा बनाया था।

जिसको देखकर मानव के भरे बाजारों ने, समुन्द्र के किनारों ने
हिमालय के पहाड़ों ने तेरे आगे सर झुकाया था।

***–पृथ्वीराज मेहता (मोहन),** उपसेनानी (सेवानिवृत्त) अंबाला कैंट*

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

उत्तम नगर–नई दिल्ली

मोहयाल सभा उत्तम नगर की मासिक मीटिंग विनीत छिब्बर (महासचिव) के निवास स्थान पर 20.09.2015 को हुई। यह मीटिंग दो कारणों से सुर्खियों में रही। प्रथम कारण–विनीत छिब्बर के घर में गणेश स्थापना की पूजा आरती में हमारी पूरी टीम का एक साथ होना और दूसरा मुख्य कारण पिछले सप्ताह जीएमएस में हुए इलेक्शन में रायज़ादा बी.डी. बाली जी की टीम की उल्लेखनीय जीत। चूँकि हमारी सभा के युवाओं ने प्रचार हेतु अपना पूर्ण योगदान दिया था, तो आज हमारी सभा की मीटिंग में चुने गए कुछ सदस्यों ने हिस्सा लेकर सभा में चार चाँद लगाए।

गणेश आरती के उपरांत आए हुए, जीएमएस के नवनिर्वाचित सदस्यों का परिचय करवाते हुए विनीत छिब्बर ने सभा के प्रधान श्री एस.पी. वैद जी बात रखते हुए बताया कि मोहयाल सभा उत्तम नगर हमेशा जीएमएस के आदेशों और नियमों का पालन करते हुए मोहयालों की भलाई का कार्य करती रहेगी।

योगेश मेहता ने हमारे आदरनिये बुजुर्ग चमनलाल दत्ता से आशीर्वाद लेते हुए उनका फूल–मालाओं से स्वागत किया। सर्वप्रथम सुनीता मेहता का डिंपी दत्ता द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया गया। उसके उपरांत योगेश मेहता का स्वागत विनीत छिब्बर, पुष्प बाली (जलंधर) का स्वागत संजय बक्शी ने, नीलिमा दत्ता मेहता का स्वागत तमन्ना दत्ता ने और विजयंत बाली (होशियारपुर) का स्वागत अविनव बक्शी द्वारा किया गया। मीटिंग की कार्यवाही के बाद संजय बक्शी ने सभा में आए हुए अन्य नॉन–मोहयाल, जो कि गणपति आरती में आए थे, जिसमें शीतल जोशी (दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष इंटेक) और उनकी टीम से सबको परिचय कराया। साथ ही सबको एक खुश–खबरी दी कि जल्द ही विनीत छिब्बर को ''राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस'' द्वारा पंजाब इलेक्शन का प्रभारी बनाया जाएगा। सबने अपनी खुशी जाहिर की और विनीत को शुभकामनाएं दी। अंत में प्रसाद वितरण के साथ सबने श्री विनोद बक्शी जी और उनके परिवार का धन्यवाद दिया।

अक्टूबर माह की मीटिंग 11.10.2015 को प्रधान श्री एस.पी. वैद के निवास स्थान में हुई, जिसमें 18 मोहयाल सदस्यों ने भाग लिया। गायत्री मन्त्र एवम् मोहयाल प्रार्थना के बाद श्रीमती बाला बक्शी ने सभा के सभी सदस्यों को अपनी सुपुत्री स्वाति की शादी में सम्मलित होने का न्योता दिया। सबने उनको अग्रिम बधाईयां दी। साथ ही श्री अजय माकन, अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा विनीत बक्शी को 'संयोजक' पद से नियुक्त किया गया। सभी सदस्यों की तरफ से विनीत को बधाईयाँ दी गई। सभा की अगली मीटिंग दिसंबर में 'हरिद्वार' करने का विचार हुआ, जिसकी जिम्मेदारी संजय बक्शी और विनीत बक्शी को दी गई।

संजय बक्शी, *वरिष्ठ उपाध्यक्ष*

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की मासिक बैठक 4.10.2015 को श्री गुलशन छिब्बर जी के निवास स्थान सेक्टर–1, अवास विकास आगरा में अन्तर्गत हुई। जिसमें लगभग 10–15 भाई–बहिनों ने भाग लिया। श्री कामरान दत्त संयोजक मोहयाल सभा आगरा की अस्वस्थता के कारण न आने पर अध्यक्षता श्री एस. पी. दत्ता सचिव मोहयाल सभा आगरा द्वारा की गई। मीटिंग में सभी भाई बहनों का धन्यवाद किया। दिल्ली से आए सभी जीएमएस के पदाधिकारियों व विशेष रूप से मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी का तहेदिल से शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने अपने बहुत ही बहुमूल्य समय में से कुछ समय निकाल कर आगरा मेले में पधारने की कृपा की तथा अपना आशीर्वाद दिया। सभा उनकी आभारी है। श्री गुलशन छिब्बर ने सभा में सभी सदस्यों का स्वागत किया। आगरा मेले की सफलता पर सभी को धन्यवाद दिया तथा जिन भाइयों की मोहयाल मित्र नहीं आ रही है। उनकी एक सूची बनाकर दिल्ली भेज दी तथा सभी को मोहयाल का सदस्य व नवीनीकरण के लिए कहा।

सभा में न पहुँचने की स्थिति में श्री कामरान दत्ता जी, श्री राधे दत्त, श्री बालकृष्ण मोहन, श्री पी.के. दत्त, श्री रमेश वैद आदि ने टेलीफोन द्वारा श्री गुलशन छिब्बर जी से विशेष रूप से क्षमा याचना की, जिसका सभी उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया, तथा अच्छी परिपाटी बताई।

सभा के अन्त में सचिव महोदय ने मेले की सभी कार्यवाही का लेखाजोखा विस्तार सहित बताया, जिसको सभी उपस्थित सदस्यों ने पास कर दिया। श्री सचिव महोदय ने श्री गुलशन छिब्बर जी के परिवार वालों को मीटिंग की सफलता की दी। श्री गुलशन छिब्बर जी ने सभी आए हुए भाई बहनों का धन्यवाद दिया।

एस.पी. दत्ता, *सचिव*
मो. 09897455755

अंबाला छावनी

दिनांक 6.09.2015 शाम 5 बजे, 5 दयालबाग पर प्रधान श्री आई.आर. छिब्बर जी का अगुवाई में मासिक बैठक आरंभ हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई, तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

शोक समाचारः स्व. श्री राहुल मेहता छिब्बर पुत्र श्री एस.के. मेहता निवासी 46 दिनेश नगर, अंबाला छावनी का देहांत अचानक 29.08.2015 राखी वाले दिन सुबह सात बजे हो गया। वह केवल 31 वर्ष के थे। सदन ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर परमेश्वर से प्रार्थना की।

स्वास्थ्य कामनाः सू.मे. आर.के.सी. दत्ता जी, जो हरिद्वार शिप्ट हो गए हैं, छः महीने से बीमार चल रहे हैं, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

प्रस्तावः सभा में प्रस्ताव पास किया गया कि विधवा श्रीमती मनजीता शर्मा छिब्बर को 3100 रु. सभा की तरफ से सहायता दी जाए। यह जिम्मेदारी एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता जी ने श्रीमती मनजीता जी के घर जाकर निभाई तथा उन्होंने सभा का धन्यवाद किया।

दान राशिः श्री आई.आर. छिब्बर व कमारडेंट पी.आर मेहता जी प्रत्येक ने 500 रुपए एम.एल. दत्ता, डी.वी. बाली, धर्मेन्द्र वैद जी प्रत्येक ने 200 रुपए सभा को भेंट किए।

अगली मासिक मीटिंग 27 दयाल बाग निवास स्थान श्री डी. वी. बाली के यहां पर करने का निर्णय हुआ।

4 अक्तूबर 2015 27 दयालबाग अंबाला कैंट निवास स्थान श्री धर्मवीर बाली, पर डिप्टी कमां. पी.आर. मेहता जी की अगुवाई में मासिक मोहयाल मीटिंग हुई, जिसमें 18 मोहयाल भाई बहनों ने भाग लिया। श्री विजय मेहता तथा श्री मनोज दत्ता जो पहली बार परिवार सहित सभा में शामिल हुए, प्रधान जी ने उनका स्वागत करते हुए प्रसन्नता जताई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता जी ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। सर्वप्रथम प्रधान जी ने पिछले महिने जीएमएस के चुनाव में रायज़ादा बी.डी बाली जी व पूरी टीम की शानदार विजय के लिए प्रसन्नता जताई तथा मोहयाल सभा अंबाला कैंट की ओर से बधाई दी।

स्वास्थ्य कामनाः सू.मे. आर.के.सी. दत्त सभा के उपप्रधान व कैशियर जो लगभग सात महिने से बीमार चल रहे हैं,उनके शीघ्र ठीक होने की कामना की गई। अब वह हरिद्वार के पास शिप्ट कर गए हैं व स्वयं 17 सितंबर को अंबाला शहर आए तथा सभा का हिसाब–किताब सभा को सौंप गए।

एम.एल. दत्ता जी ने आग्रह किया कि सभा कैशियर की जिम्मेदारी तथा उपप्रधान की नियुक्ति तत्पर होनी चाहिए, अतः सभा सदस्यों ने एक मत से सभा की मध्यवती नियुक्तियों पर निर्णय लियाः–

श्री धर्मेन्द्र वैद जी कैशियर तथा श्री नरेश वैद जी उपप्रधान का पद संभालेंगे। प्रधान जी ने इस प्रस्ताव को वैध रूप दिया, तथा तालियों के साथ बधाई दी। दोनों निर्वाचित व्यक्तियों का मुंह मीठा कराया तथा शुभ कामनाएं दीं।

दूसरा सुझाव था पिछले दो वर्ष से किसी कारणवश, सभा के परिवारों तथा विशेषतः बच्चों का मनोरंजन नहीं कर सके, विचार विमर्श के बाद फैसला लिया गया कि दीवाली पर्व पर सुभाष पार्क में सब मोहयाल परिवारों को इकट्ठा होने का निमत्रंण दिया जाए। इसमें तंबोला, बच्चों की गेम्ज़, कविताएं, भाषण, चुटकले, नृत्य लेडीज़ के लिए चेयर रेस, पंजाबी गाने आदि का प्रबंध किया जाए। इस पूरे कार्यक्रम को खर्चे सहित अंतिम रूप, तारीख समय, तय किया जाएगा। एक विशेष कमेटी तैयार की जाएगी। अगले महीने की मासिक मीटिंग अलग न होकर इसी कार्यक्रम के साथ होगी। वर्तमान मोहयाल सभा अंबाला कैंट के आफिस कार्यकर्त्ताओं की सूची इस प्रकार है।

(क) **प्रधानः** श्री आई.आर. छिब्बर, 5 दयालबाग, अंबाला कैंट, फोनः 0171–2660305

(ख) **उपप्रधानः** श्री नरेश वैद, 2 शिवप्रताप नगर, अंबाला कैंट, मो.: 09416754889

(ग) **महासचिवः** श्री एम.एल. दत्ता, 12 अग्रवाल कंप्लैक्स, अंबाला कैंट, मो. 09896102843, 0171–2660368

(घ) **सचिवः** श्री दीपक होम्योज़, अंबाला कैंट, मो. 09138263536

(ड.) **वित्त-सचिवः** श्री धर्मेन्द्र वैद, 135 दयालबाग, अंबाला कैंट, मो. 09996076115

(च) **वरिष्ठ निर्देशकः** कमां. पी.आर. मेहता, 4, टरिब्यून बाग अंबाला कैंट, मो. 09466693063

दानराशिः कमां. पी.आर. मेहता, 2500 रु., श्री एम.एल दत्ता, 200 रु., श्री धर्मेन्द्र वैद, 200 रु., श्री धर्मवीर बाली, 200 रु., विजय मेहता, 200 रु., श्री दीपक दत्ता 100 रु., श्री नरेश वैद, 100 रु., श्री एम.के. वैद 100 रु. और श्री मनोज दत्ता, 100 रुपए सभा को भेंट किए।

प्रधान जी ने मेज़बान बाली परिवार का अच्छा खातर करने के लिए धन्यवाद करते हुए सभा की समाप्ति हुई।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो.: 9416464488 *मो. 9896102843*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 4.10.2015 को भाई लक्ष्मण देव छिब्बर जी के घर हुई, प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद सभा को प्रारंभ किया गया, जिसमें 12 भाई–बहनों व बच्चों ने भाग लिया। सभा में आए सदस्यों ने मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी एवं सभी नव–निर्वाचित जीएमएस सदस्यों को बहुत–बहुत बधाई दी। यह कामना की कि सभी नव–निर्वाचित सदस्य उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। यह सभा दिन–दोगुनी, रात–चौगुनी उन्नति करें।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

अतः में प्रधान जी एवं सभी सदस्यों ने जलपान के लिए छिब्बर परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 09466213488

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक रविवार, 4 अक्तूबर 2015, को प्रधान श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में उन्हीं के निवास स्थान 5के/85, एन.आई.टी., फरीदाबाद में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 55 मोहयाल भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात–

शोकः स्व. मेहता जंग बहादुर लौ, 187 सेक्टर–17, के अकस्मात् निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया व सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट सभी के समक्ष प्रस्तुत की व 'प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान' के लिए जिन छात्रों ने अभी तक फार्म नहीं भेजे, उन्हें अति शीघ्र भेजने का आग्रह किया। उन्होंने जीएमएस चुनाव 2015 में श्री रमेश दत्ता जी को, रायज़ादा बी.डी. बाली जी व उनकी टीम को सफल बनाने में दिए सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया।

श्री रमेश दत्ता जी ने भी अपनी, रायज़ादा बी.डी. बाली जी व उनकी टीम के समस्त सदस्यों की ओर से सभी मोहयाल भाई–बहनों का धन्यवाद किया। फरीदाबाद मोहयाल भवन की दूसरी मंजिल के निर्माणकार्य के बारे में बताते हुए, उन्होंने कहा कि काम तीव्रगति से चल रहा है व उन्होंने सभी से अधिक से अधिक सहयोग करने का आग्रह किया। दिल्ली से नवनिर्वाचित जीएमएस सदस्या श्रीमती नीलिमा मेहता भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। उन्होंने भी चुनावों में सहयोग व साथ देने हेतु सभी भाई–बहनों का धन्यवाद किया व कहा कि जीएमएस मैनेजिंग कमेटी पिछले कई दशकों से रायज़ादा बी.डी. बाली जी की अध्यक्षता में बिरादरी की निःस्वार्थ भाव से सेवा करती आ रही है व आगे भी उसी तत्परता के साथ कार्य करेगी।

फरीदाबाद मोहयाल सभा में कुछ पद रिक्त हुए हैं, उनको भरने के लिए कमेटी के सदस्यों ने विचार–विमर्श किया, जिसके उपरान्त, जीएमएस में फरीदाबाद से प्रतिनिधि सदस्य के रूप में श्री विनय बक्शी (एफ.सी.ए. 2067, ब्लॉक ए, एस. जी.एम. नगर, फरीदाबाद, मो. 9899001547) को नियुक्त किया गया। वरिष्ठ उप्रपधान के पद पर श्री नागेन्द्र दत्ता (511/22, फरीदाबाद मो. 9212424042) को चुना गया। श्री राजेन्द्र प्रसाद मेहता (निवासी विला नं. 3537, इन्द्रप्रस्थ, पार्ट–1, सैनिक कालोनी, मो. 9818492230) को सैनिक कालोनी के ज़ोनल सेक्रेटरी पद के लिए चुना गया। रायज़ादा के.एस. बाली जी ने उपप्रधान पद के लिए श्री गुनीत मेहता (5 एन.एच. 113, एन.आई.टी., मो. 9871610714 व श्री ध्रुव दत्ता (5 के/85, एन.आई.टी. मो. 9999078441) के नाम का प्रस्ताव सभी के समक्ष रखा। सभी उपस्थितजनों ने हर्ष ध्वनि के साथ इन सभी का स्वागत किया।

इस अवसर पर श्रीमती बाली बाली, श्रीमती आशु वैद, श्रीमती शम्मी दत्ता, श्रीमती सुमन दत्ता, श्रीमती किम्मी दत्ता व श्रीमती मानवी वैद ने सुन्दर भजन व गीत प्रस्तुत करके वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया। मानस वैद व पुलकित वैद ने भी कविताएँ व गीत सुनाकर सभी को हर्षित किया।

श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्रित की– भवन निर्माण के लिए गुप्त दान 21000 रु. व 5000 रुपए, श्री जंग बहादुर जी की याद में मेहता परिवार की ओर से 2000, प्रह्लाद बाली जी ने 500 रु. व श्री आर.सी. दत्ता जी ने विधवा फंड में 500 रुपए।

सभी उपस्थितजनों ने स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लिया व श्री रमेश दत्ता जी ने सभी का धन्यवाद किया और कहा कि अगले माह की मीटिंग एक नवंबर को होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो.: 9212557096

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव*
मो. 9899068573

नजफगढ़–नई दिल्ली

सभा की बैठक 4.10.2015 को प्रधान शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री गिरधर गोपाल दत्ता के निवास स्थान बी–55, किरन गार्डन, गली नं. 15, नजदीक मटियाला पुलिस चौकी, नई दिल्ली में प्रार्थना–पत्र एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई, जिसमें 14 सदस्यों ने भाग लिया। पिछली मीटिंग की कार्यवाही श्री हर्ष दत्ता, सचिव ने पढ़कर सुनाई, जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

जीएमएस मैनेजिंग कमेटी के चुनाव में रायज़ादा बी.डी बाली साहिब की टीम की जीत पर प्रधान जी ने उनको सभा की तरफ से बधाई दी। नजफगढ़ सभा से कर्नल बी.के.एल. छिब्बर को जीएमएस मैनेजिंग कमेटी में चुने जाने पर सभी ने बहुत–बहुत बधाई दी।

मैट्रोमोनियल मैच–मेकिंगः मेट्रोमोनियल मैच–मेंकिंग 25 अक्टूबर 2015 (रविवार) को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मोहयाल फांउडेंशन, नई दिल्ली में होगा।

इसके पश्चात ले.कर्नल बी.के.एल. छिब्बर (से.नि.) साहब ने बताया कि उन्हें जीएमएस की तरफ से विशेष डयूटी दी गई है, जिसमें विधवा सहातया पाने वाली महिलाएँ यदि कोई प्रोफेशनल कोर्स जैसा कि कम्प्यूटर, सिलाई या एजूकेशन कोर्स करके अपने पैरों पर खड़ा होकर अपने परिवार का निर्वाह करना चाहती है तो जीएमएस हर संभव आर्थिक

सहायता करने को तैयार है। यह संदेश मोहयाल विधवाओं को दे दिया है। छिब्बर साहब ने चुनाव में जीतने पर सबको धन्यवाद दिया।

चर्चा के लिए खास मुद्दा न होने के कारण बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। अंत में सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री गिरधर गोपाल दत्ता को धन्यवाद दिया।

अगली बैठक दिनांक 01.11.2015 को श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान, दत्ता प्लाज़ा ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

शेरजंग बाली, *प्रधान* — *मो.: 9871756765*

हर्ष दत्ता, *सचिव* — *मो. 9312174583*

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 3 अक्तूबर 2015, प्रधान श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में श्री नरेन्द्र छिब्बर के थर्मल कालोनी स्थित निवास पर हुई। मोहयाल प्रार्थना तथा गायत्री मंत्र के उच्चारण के बाद ले.जन. डॉ. एम.एल. छिब्बर जी को श्रद्धांजलि दी गई, जिनका गत दिवस निधन हो गया था। डॉ. छिब्बर ने अनेक पुस्तकें भी लिखी जो कि सेना तथा अन्य क्षेत्रों में काफी प्रचलित हैं। सभा ने श्री बी.डी. बाली जी तथा उनकी पूरी टीम को जीतने पर बधाई दी गई। पानीपत से श्री ऋत मोहन जी को भी बधाई दी गई। करनाल के श्री राहुल मोहन को हरियाणा सरकार द्वारा डिप्टी एडवोकेट जनरल बनाने पर मुबारकबाद दी गई। श्री ऋत मोहन जी को हरियाणा पंजाब हाईकोर्ट बार कौंसिल द्वारा नॉमिनेट किए जाने पर बहुत–बहुत बधाई दी गई।

6 अक्तूबर 2015 को श्वेन वैद का जन्मदिन हैं, जो कि श्री भूपिंदर दत्त जी के दोहते हैं। 7 अक्टूबर को श्री ऋत मोहन जी के जन्मदिवस पर मुबारक दी गई। 26 अक्टूबर को रोहन वैद का जन्मदिन है, जोकि श्री कैलाश वैद जी के पोते हैं, जिनको भी बधाई दी गई। 28 सितंबर को श्री नवीन वैद व श्रीमती रजनी वैद की साल गिरह पर मुबारक दी गई। 01 अक्टूबर को श्री परवीन वैद व श्रीमती बबिता वैद की सालगिरह पर भी उन्हें बधाई दी गई।

श्री भूपिंदर दत्ता व अन्य सदस्यों का कहना था कि पिछले कई महीनों से उनका मोहयाल मित्र नहीं पहुँच रहा है। इसके लिए जीएमएस को लिखा जाए। अंत में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। जलपान तथा सभा के आयोजन के लिए श्रीमती अंजू छिब्बर, सुमिल छिब्बर तथा नरिंदर छिब्बर का धन्यवाद किया गया।

नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव*
मो. 9416412184

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की मीटिंग प्रधान श्री दिनेश दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन ऊना रोड, न्यू बैंक कलोनी में हुई। मोहयाल शिरोमणी, मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी एवम् सभी नवनिर्वाचित जीएमएस सदस्यों को बहुत–बहुत बधाई दी गई, तथा सभी मोहयाल नई टीम की मोहयालों के हित के लिए, अपने अध्यक्ष जी की प्रेरणा से चल रहे कार्यों को अधिक अच्छी तरह करने में सहयोग देने की उम्मीद की गई।

होशियारपुर मोहयाल सभा ने विजयंत बाली, महासचिव होशियारपुर को जीएमएस टीम में चुने जाने पर बधाई दी। इस अवसर पर प्रधान श्री दिनेश दत्ता, शशपिन्द्र कुमार बाली, इन्द्रमोहन बाली, वरिन्द्र दत्त वैद, मनोज दत्ता, पवन मैहता, आर.सी. मेहता, प्रेम प्रकाश मेहता शामिल थे। अन्त में शांति पाठ के साथ सभा का समापन हुआ।

मनोज दत्ता *(मो. 9463766261)*

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक बैठक 4.08.2015 को श्रीमती रेणु छिब्बर के निवास स्थान पर गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की। सभा में स्थापना दिवस मनाने पर विचार किया गया।

शोक समाचारः श्री कृष्णलाल दत्ता जी अपनी सांसारिक यात्रा पूरी कर प्रभु के चरणों में लीन हो गए हैं। उनकी याद में दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वे श्रीमती प्रेम दत्ता जी के जेठ थे। उनकी पत्नी श्रीमती उषा दत्ता जी ने उनकी याद में स्त्री सभा को 500 रुपए दान दिए भगवान उनकी आत्मा को शांति दें और परिवार को दुःख सहने की शक्ति दें।

स्त्री सभा की मासिक बैठक 5.9.2015 को श्रीमती प्रवीण बाली के निवास स्थान पर हुई, मीटिंग में सभी बहनों ने भाग लिया, मीटिंग की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की। मीटिंग की कार्यवाही गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई, मीटिंग में 11.9.2015 को स्थापना दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

श्रीमती प्रेम दत्ता, श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती सुमिता दत्ता और श्रीमती वीना वैद ने अपने विचार रखे। शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

सभा की बैठक 6.10.2015 को श्रीमती पम्मी जी के निवास स्थान पर हुई, सभी बहनों ने भाग लिया, सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता ने की। 11.09.15 को मोहयाल आश्रम में स्थापना दिवस मनाया गया। स्त्री सभा की स्थापना स्वर्गीय

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

श्रीमती शांति भाई ने की थी, उस समय सभा में काफी कम सदस्य थी। उन्होंने घर–घर जाकर बहनों को सदस्य बनने के लिए कहा, इस सभा को बने 27 साल हो गए हैं। ये सभा निरन्तर कार्य कर रही है, श्रीमती कमला दत्ता जी की अध्यक्षता में ये सभा कार्य कर रही है।

सबसे पहले हवन हुआ, श्रीमती प्रवीण बाली, श्रीमती तारावंती वैद, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती प्रेम दत्ता, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती रमन, श्रीमती अनिता ने हवन कुंड में आहुति डाली। इस मौके पर सभी बहनों ने भाग लिया, उसके बाद चाय–पानी का प्रोग्राम भी किया गया। श्रीमती प्रवीन बाली ने स्त्री सभा यमुनानगर को अपने पति के जन्मदिन पर 200 रुपए दान दिए।

श्रीमती रेनु छिब्बर ने अपने पति स्व. श्री राकेश मेहता जी की बरसी पर 500 रुपए स्त्री सभा को दान दिए, भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोन: 01732–226299

अभिज्ञय मोहयाल तथा राजस्थान में गरीबों का मसीहा "कामरेड वज़ीर चन्द बक्शी"

मेरा सौभाग्य है कि मुझे स्वर्गीय कामरेड वज़ीर चन्द बक्शी के सुपुत्र श्री राजकुमार बक्शी से अलवर, राजस्थान में मिलने का सुअवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने परिवार के बारे में मुझे अवगत करवाया। मैं विशेषकर उनके स्व. पिता कामरेड वज़ीर चन्द बक्शी की जीवनी से बहुत प्रभावित हुआ। कामरेड वज़ीर चन्द बक्शी जी ने अपने जीवनकाल में गरीबों के लिए जो कार्य किए, उसकी प्रति जो मुझे उनके पुत्र श्री राजकुमार बक्शी द्वारा दी गई, साथ में संलग्न हैं और आप भी पढ़कर अवश्य प्रभावित होंगे। उनका सबसे छोटा बेटा श्री राजकुमार बक्शी पेशे से वकील है और उनकी अच्छी वकालत भी चलती थी, परन्तु अपने पिता के आदेश मानकर वकालत छोड़कर अपनी खेती बाड़ी संभालने लगे और साथ ही अपने पिता के नक्शे कदम पर चलकर समाज सेवा में लिप्त हो गए। वर्तमान समय में वह अनपढ़ और गरीबों की जो भी समस्या हो मुफ़्त में उनकी समस्या का निवारण करते हैं और उन्हें बहुत शुकून मिलता है।

उनके स्वर्गीय पिता श्री वज़ीर चन्द बक्शी जी को देश भक्ति व कविता लिखने का बहुत शौक था, उनकी जीवनी के साथ, उनकी कुछ पल बिताए जोकि मुझे उनके सुपुत्र श्री राजकुमार बक्शी जी से प्राप्त हुई, उनकी कविताओं को समय–समय पर मोहयाल मित्र में प्रकाशित करने हेतू अनुरोध के साथ प्रेषित हैं।

पृथ्वीराज मेहता (मोहन), *उप सेनानी (सेवानिवृत्त), 4, ट्रिब्युन बाग (दयालबाग), अंबाला कैंट (हरियाणा)*

श्रीमती कमलेश मेहता का स्वर्गवास

श्रीमती कमलेश मेहता एक दयालु व मानवीय गुणों से परिपूर्ण महिला थीं। 24 फरवरी 1929 को श्री गोवर्धन नाथ दत्ता व

श्रीमती रामरखी दत्ता के घर में एक नन्हीं परी ने जन्म लिया। माता–पिता ने उसका नाम 'अलकनन्दा' रखा। माता–पिता के सानिध्य में बचपन गुजरा। 24 अप्रैल 1945 को उनका विवाह श्री श्रीराम मेहता (सुपुत्र श्री अनन्तराम मेहता व श्रीमती परमेश्वर मेहता) के साथ हुआ। भगवान ने उन्हें दो पुत्रों व तीन पुत्रियों की माता बनने का सौभाग्य प्रदान किया। पति के साथ वे जीवन के हर उतार–चढ़ाव में चट्टान के समान खड़ी रहीं। बच्चों के लालन–पालन में भरपूर सहयोग दिया। उनके सभी बच्चे इंजीनियर, डॉक्टर, पत्रकार, आईएएस और बैंक के बड़े अधिकारी पदों पर हैं। वे जरूरतमंदों की आजीवन सहायता करती रही। 10 जून 2015 को उन्होंने इस नश्वर देह को छोड़ परमपिता परमात्मा के चरणों में प्रस्थान किया। भगवान उन्हें अपनी शरण में लें, व उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। श्रीमती कमेलश मेहता की याद में परिवार ने ग्यारह हज़ार रुपए हरिद्वार लंगर फंड के लिए भेंट किए।

लंगर तारीख 10 जून।

आशा वशिष्ठ, *201बी, पश्मि विहार, नई दिल्ली*

स्वर्गीय श्रीराम मेहता

(6 अक्तूबर 1921–5 नवंबर 2014)

श्री श्रीराम मेहता का जन्म 6 अक्तूबर 1921 को पेशावर में श्री अनन्तराम मेहता व श्रीमती परमेश्वरी मेहता के घर हुआ। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। अध्ययन व शायरी में उनकी विशेष रुचि थी। 18 वर्ष की आयु में ही वे मुशायरों में हिस्सा लेने लगे, तथा 'उल्फ़त करयालवी' के नाम से उन्होंने शायरी पर पुस्तकें भी लिखी। उन्होंने भारतीय सेना में भी कुछ वर्ष तक कार्य किया। 24 अप्रैल 1945 को उनका विवाह श्री गोवर्धन नाथ दत्ता व श्रीमती रामरखी दत्ता की सुपुत्री कमलेश से हुआ। जिनकी रुचि विशेषकर संगीत में थी। वे एक बहुत दयालु व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। भारतवर्ष के विभाजन के बाद वे दंपत्ति लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आकर बस गए। श्री मेहता उत्तर प्रदेश सरकार में विभिन्न सरकारी पदों पर आसीन रहे। उनके दोनों पुत्रों व तीनों पुत्रियों ने उच्च शिक्षा प्राप्त की व सरकारी सेवाओं में उच्च पदों पर आजीवन हुए। 5 नवंबर 2014 को श्रीराम मेहता जी इस नाशवान संसार

को छोड़ परमपिता परमात्मा में लीन हो गए। उनके वियोग को उनकी पत्नी सह नहीं सकीं, 10 जून 2015 को वो भी इस संसार को छोड़ कर पति से जा मिलीं। भगवान दोनों दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, तथा अपने चरणों में स्थान दें।

आशा वशिष्ठ, *201बी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063*
मो. 9310206101, 9818006101

पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि

स्वर्गीय श्री रतनचन्द शर्मा जी की चवरी (21.07.2015) को परिवार की ओर से शारदा रानी बाली, बी 17/291, टाकी रोड, पठानकोट (पंजाब) दिवंगत आत्मा को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए, और कहा यूँ तो अपने प्रिय जन जो सदा के लिए बिछड़ जाते हैं, उन्हें कभी नहीं भूल पाते दिन पर उनकी याद फूलों की खुशबू की भाँति घर के कोने–कोने से आती है। शर्मा परिवार की ओर से 21 जुलाई के दिन उनकी पुण्य–तिथि के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए मोहयाल सभा यमुना नगर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। शर्मा परिवार ने जीएमएस को 500 रु. मोहयाल आश्रम हरिद्वार को लंगर फंड के लिए भेंट किए, और मोहयाल सभा यमुना नगर को 500 रुपए भेंट किए।–*बक्शी नन्दलाल भिमवाल, सचिव, यमुनानगर मोहयाल सभा, मो. 9416868324*

पूर्वजों के नाम भेंट

श्री रघुवंशी लाल वैद व श्रीमती शकुंतला वैद, 5 जे–35, एन. आई.टी., फरीदाबाद ने अपने पिता स्वर्गीय श्री ठाकुरदास जी, माता स्वर्गीय श्रीमती कुलवंती देवी जी, तायाजी स्वर्गीय श्री शिवलाल जी (संत) व अपनी बुआ जी स्वर्गीय श्रीमती पार्वती देवी जी के नाम के ट्रस्ट में (विधवा फंड) 2100 रुपए दिए व उन्होंने 1000 रुपए मोहयाल भवन के निर्माण हेतु फरीदाबाद मोहयाल सभा को भेंट किया। श्री रघुवंशीलाल वैद जी, श्री अशोक लौ जी के माता जी हैं, व उन्हीं की प्रेरणा से उन्होंने यह राशि भेंट की।

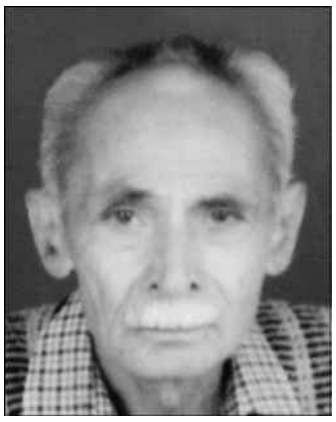

–एम.एस. फरीदाबाद

श्रद्धांजलि

दिनांक 05.10.2015 को **श्रीमती सुरेष्टा रानी बाली** पत्नी स्व. श्री केदारनाथ बाली की बरसी के उपलक्ष में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया, तथा ब्राह्मणों को भोजन दिया। जिसमें परिवार के सभी सदस्य अशोक कुमार बाली, ममता बाली, गौरव बाली, सौरव बाली, राजन बाली और भी परिवार के सभी रिश्तेदार शामिल हुए।

अशोक कुमार बाली, *महरौली, नई दिल्ली*

पक्षी

सबसे सुन्दर चरण है चौथा
अपने जीवन का
अनुभव में जीवन के पूरे
होश में होने का।

जोश में जीने का मज़ा तो
होता ही जोश भरा
होश में जीने का भी कोई
कम नहीं होता।

बिना किसी आवेग के हम जब
चीजों को परखें
भूतकाल की अपनी भूलों
पर भी थोड़ा हँस लें।

अच्छी सेहत का, फुरसत का
तभी तकाज़ा होगा
हम चाहें तो जीवन अपना
पक्षी जैसा होगा।

बातें जिनकी करता हूँ मैं
सरल चित्त के होते हैं
बड़े कहाने वाले अक्सर
मन के छोटे होते हैं।

भला डराता पक्षी किसको
डरता भी है किस से?
जीवन के आकाश में उड़ना
हम सीखें पक्षी से!

पूरनचंद बाली 'नमन'

रचनाएँ भेजते समय ध्यान दें

रचनाएँ पोस्टकार्ड या छोटे–छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर न भेजें। रिपोर्ट और रचनाएँ आदि साफ़ स्पष्ट और शुद्ध लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। ई–मेल से रचनाएँ टाइप करके ही भेजें।

प्रत्येक रचना भेजने के पश्चात दो माह प्रतीक्षा करें। इसके पश्चात ही कार्यालय से पूछताछ करें।

मोहयाल मित्र बिरादरी की धड़कन है, बिरादरी की शान है, परिवारों के सुख–दुःख का साथी है। इससे देश–विदेश में बसे मोहयालों के समाचार एक–दूसरे तक पहुँचते हैं। रिश्ते–नाते कराने का माध्यम है। जीएमएस द्वारा किए कार्यों और योजनाओं की जानकारी का साधन है। मोहयाल मित्र का वार्षिक शुल्क केवल दो सौ रुपए हैं

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com